

उपस्थित। उभय पक्ष द्वारा खास
 समाहित की गई। उभय पक्ष की
 बात पर अनन किताबों व पत्रों की
 का अचलौकन किताबों। अन्नाई
 निवेदन के 3 बिंदुओं प्रथम दृष्टया
 मातृका, पुत्रिका, ललन व अपूरणी
 शक्ति असाधिका के चरम निरर्थक
 किये जाने हैं अन्नाई निवेदन का
 पत्र दिनांक 1.4.2015 श्वारित किता
 जाता है। विरहृत निवेदन लिखवाया
 जाकर अमिल पत्रों की दरवाजा
 पत्रों के लिये सुमार ही मन्त्रों के
 काम की जाकर डारिवल इन्द्र है।